

THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI P. SHIV SHANKAR): (a) No, Sir.

(b) Although the Haldia Plant of Hindustan Fertilizer Corporation was mechanically completed in November, 1979, the commissioning activities could not be started till December, 1981 because the required power was not available from the State Electricity Board. There was further delay in reaching commercial production on account of the break-down in the Oxygen Compressors and defect in the Nitrogen Compressor.

(c) The commercial production of the front-end plant comprising Urea and Methanol is expected to start from 1-10-1982 and the production of Nitro-Phosphate and Soda Ash from 1-4-1983.

Garo Hills Thermal Project in Meghalaya

*443. DR. KRUPASINDHU BHOI: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether the Garo Hills Thermal Project's execution has been allotted to the State Government of Meghalaya;

(b) if so, the details thereof;

(c) the expenditure incurred by the State Government in providing infrastructure necessary for the execution of the project like roads, offices and staff quarters and arrangements for water supply and communications; and

(d) how far this will go to help in serving the interests of the local people?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI A. B. A. GHANI KHAN CHOU-DHURY): (a) The project has been approved for implementation through the North Eastern Council.

(b) and (c). Does not arise.

(d) The Garo Hills Thermal Power Station has been sanctioned as regional power station and is intended to serve the interest of the people of the States and

Union Territories in the North-Eastern Region.

बराँनी में पेट्रो-रसायन समूह की स्थापना

*444. श्रीमती कृष्णा साहू: क्या पेट्रो-लियम, रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने कृपा करेंगे कि:

(क) क्या इन तथ्य के बावजूद कि बराँनी बिहार में देश का सबसे पुराना तेल शोधक कारखाना है, वहाँ अभी तक काँइ पेट्रो-लियम रसायन-समूह स्थापित नहीं किया गया है;

(ख) क्या यह भी सच है कि बिहार सरकार तथा संसद सदस्य पिछले 25 वर्षों से माँग कर रहे हैं कि वहाँ पेट्रो-रसायन समूह स्थापित किया जाये;

(ग) क्या किसी प्रचार समिति ने 1981 में भारत सरकार को ऐसा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया था जिसमें उन्होंने बराँनी में ऐसा समूह स्थापित करने की सिफारिशों की थी; और

(घ) यदि उपरोक्त तथ्य सही है, तो समूह की स्थापना में विलम्ब के क्या कारण हैं?

पेट्रो-लियम, रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री पी. शिव शंकर): (क) से (घ) देश में बराँनी शोधनशाला छठी पुरानी शोधनशाला है। बिहार में एक पेट्रो-रसायन काम्प्लेक्स की स्थापना के बारे में संभाव्य और प्रतिवेदन दिये गये हैं।

वर्ष 1981 में स्थल चयन समिति ने सिफारिश की थी कि बिहार में एक बड़ी पेट्रो-रसायन एरियोजना भी स्थापित की जा सकती है।

बिहार स्टेट फार्मास्यूटिकल्स एण्ड कौंसेल डिडेलैप्मेंट कारपोरेशन को 10,00 मी. टन स्टाइरीन और 10,000 मी. टन पाली-स्टाइरीन के निर्माण के लिये जन 1982 में एक आशय पत्र जारी किया गया।

अन्य दो प्रमुख पेट्रो-रसायन एककों जिनकी पूँजीगत लागत करीब 200 करोड़ रुपये होने की सम्भावना है, की स्थापना के प्रस्ताव विचाराधीन हैं।